



Simla Chandigarh Diocese

Bishop's House, P.O. Box No: 709, Sector 19-A Chandigarh - 160 019, INDIA.

† Ignatius L. Mascarenhas
Bishop of Simla-Chandigarh

TEL: 0172-2775777, 2773777
FAX: 0172-2781630
EMAIL: bpignatius@gmail.com

सभी विश्वासीजन, धार्मिक भाई बहन एवं शिमला चण्डीगढ़ धर्मप्रांत के पुरोहितगण

विषय: जयंती वर्ष 2025 की तैयारी

ख्रीस्त में प्यारे भाईयों एवं बहनों,

"आशा के तीर्थयात्री"

आशा के तीर्थयात्रियों के रूप में धर्मसभा / सिनॉडल यात्रा पर, हम पवित्रता, आनन्द और आशा का जीवन जीने के लिए बुलाए जाते हैं। संत पौलुस अपने पत्र में लिखते हैं, "आशा व्यर्थ नहीं होती" (रोमियों 5:5), और यह वचन जुबली वर्ष 2025 की तैयारी करते समय हमारे हृदय के गहराई में गूंजता रहेगा।

संत पिता फ्रांसिस जी, अपने बुल ऑफ इंडिक्शन, "स्पेस नॉन कन्फंडित: होप डू नॉट डिसअपॉइंट / आशा हमें निराश नहीं करती" में, आशा को जयंती वर्ष का केंद्र बिन्दु बताते हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि, आशा प्रत्येक हृदय में निवास करती है। हम अनिश्चितता का सामना ही क्यों ना करते हों, उस समय भी परिस्थिति के बदलाव की इच्छा और आशा हमारे हृदय में रहती है। जटिलताओं से भरे और चुनौतीपूर्ण इस संसार में, ईश्वर का वचन, हमारे घरों और राष्ट्रों को, पवित्रता, आनंद और आशा भरे जीवन मार्ग के तरफ अग्रसर करता है।

आदर्श वाक्य, "आशा के तीर्थयात्री", ख्रीस्तीय जीवन में आशा के महत्व को रेखांकित करता है, और विशेष रूप से इन परिस्थितियों में जब विश्व महामारी तथा युद्धों जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। जयंती का जो प्रतीक चिन्ह है, वह इस यात्रा को एक व्यक्तिगत प्रयास के रूप में नहीं बल्कि एक सामूहिक उद्यम के रूप में प्रस्तुत करता है।

जयंती वर्ष का प्रतीक चिन्ह या लोगो, हम तीर्थयात्रियों की यात्रा को केवल एक व्यक्तिगत प्रयास के रूप में नहीं बल्कि एक सामूहिक यत्न को दर्शाता है। जयंती वर्ष का संदर्भ, सामूहिक यात्रा, कलीसिया का पहल तथा सीखना है, जिसका विषय है: साहचर्य, सहभागिता और मिशन। और यह नाइसिया की बैठक, (325) की 1700 वीं वर्षगांठ, द्वितीय वैटिकन की बैठक (1965) की 60वीं वर्षगांठ और एशिया में एक्लेसिया (1999) की 25वीं वर्षगांठ का भी प्रतीक है।

इस जयंती वर्ष का तृतीय यानी तीन उद्देश्य है: (I) प्रभु येशु ख्रीस्त का जश्न मनाना, (II) कलीसिया का जश्न मनाना, तथा (III) हमारा जश्न मनाना है। यह जयंती वर्ष, हमें, "ईश्वर को याद करने",

"ईश्वर और उसके कलीसिया के साथ अपने रिश्ते की समीक्षा करने" और "ईश्वर तथा उसकी



कलीसिया के साथ अपने रिश्ते को पुनः बहाल करने" के लिए आमंत्रित करता है। और हम आशा के तीर्थयात्रियों के लिए यह उत्सव, धर्मसभा / सिनॉडल यात्रा के संदर्भ में ही सम्भव है। जैसे जैसे हम जुबली वर्ष की तैयारी कर रहे हैं, इस दरमियान, हमें कलीसिया के दस्तावेजों तथा ईश्वर के वचन का अध्ययन करते हुए, प्रार्थना करने के लिए आह्वानवीत किया जाता है। इस उत्सव को सार्थक रूप से मनाने के लिए, हम विशेष रूप से, द्वितीय वैटिकन परिषद के चार प्रमुख संविधानों का अध्ययन करते हुए, प्रार्थना करते हुए तथा मनन चिंतन करते हुए, अपने को तैयार कर सकते हैं। हमारा धर्मप्रान्त, इस जयंती वर्ष को सुचारु रूप से मनाने के लिए,

CCBI पास्टोरल प्लान, "एक धर्मसभा चर्च की ओर यात्रा: मिशन 2033" के अनुरूप भिन्न-भिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इस संदर्भ में, मैं आपको 2 अक्टूबर,

2024 को सुबह 10:00 बजे होने वाली आगामी डायोसिसन पास्टोरल काउंसिल की बैठक की याद दिलाना चाहता हूँ। इस बैठक के लिए, मैं धर्मप्रान्त के सभी पुरोहितों, एक धार्मिक पुरुष या महिला और प्रत्येक पैरिश काउंसिल से दो लोकधर्मि को उपस्थित होने का आग्रह करता हूँ। यह बैठक जयंती वर्ष की तैयारी और उत्सवों के लिए योजनाओं पर चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण होगी।

बाढ़ ग्रसित लोगों की सहायता के लिए आपके द्वारा उदार हृदय से दिये गये दान के लिए, मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। आशा की जननी, धन्य कुंवारी मरियम, हमारे दिलों को आशा और साहस से भर दे, ताकि हम सुसमाचार के सिद्धांतों के अनुसार अपना जीवन जी सकें।

Thanking you and with every good wish.

Given on September 14, 2024 at Bishop's House, Chandigarh on the Feast of the Exaltation of the Holy Cross.

This Circular is to be read out or its contents to be explained in Hindi in all Churches on 15.09.2024 or 22.09.2024.

Yours sincerely in Christ

+Ignatius L. Mascarenhas
Bishop of Simla Chandigarh

